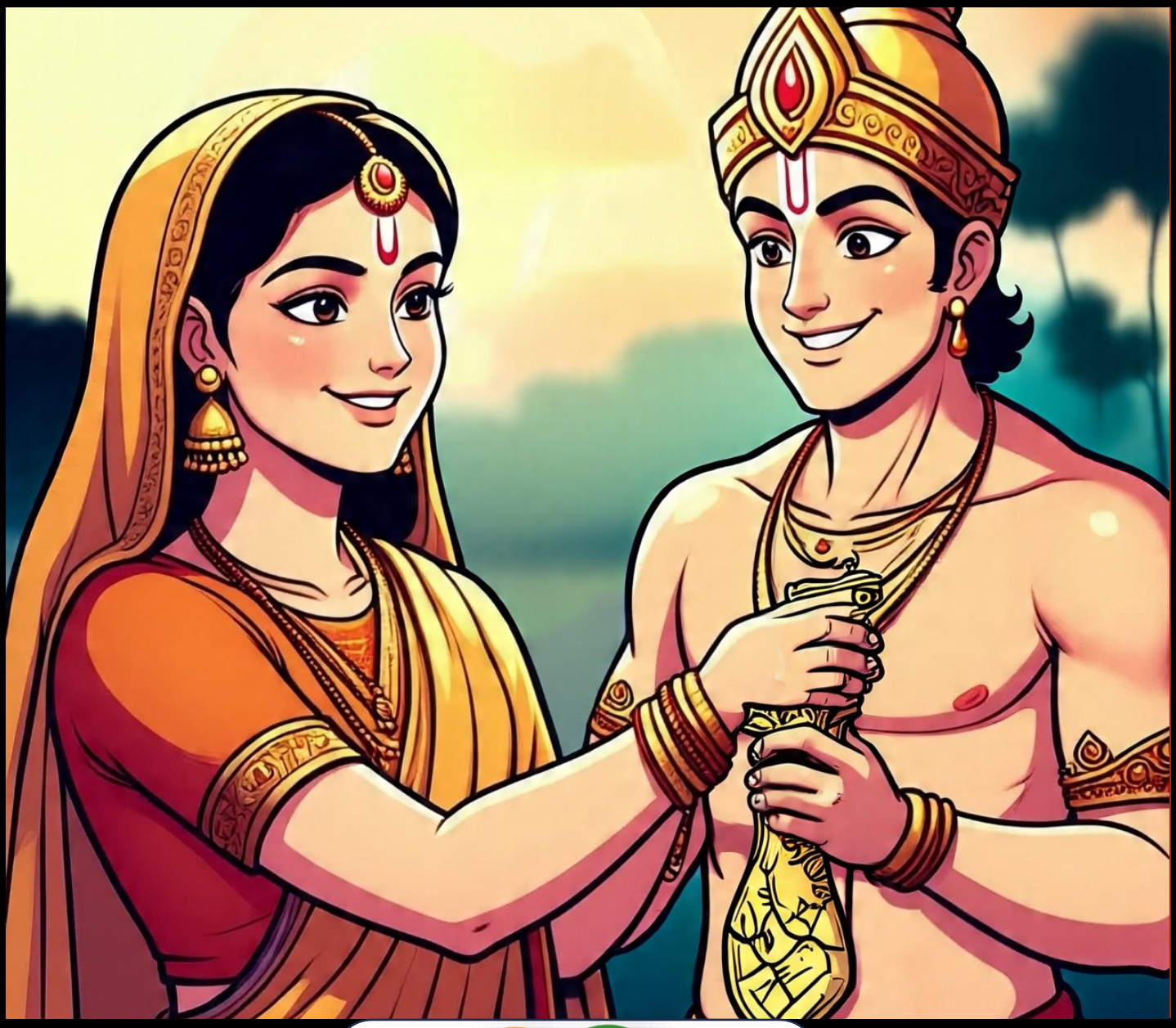

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"यमुनाजी की राखी: यमराज का वचन"

www.gyaangoshthi.com www.youtube.com/gyaangoshthi

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"यमुनाजी की राखी: यमराज का वचन "

बहुत प्राचीन काल की बात है। सूर्यदेव की पुत्री यमुनाजी और पुत्र यमराज सगे भाई-बहन थे। यमराज मृत्यु के देवता थे, और यमुनाजी प्रेम और पवित्रता की प्रतीक।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

यमुनाजी अपने भाई को बहुत चाहती थीं, पर यमराज अपने कर्तव्यों में इतने व्यस्त रहते कि वर्षों तक बहन से मिलने नहीं आते। यमुनाजी रोज़ उनके आने की बाट देखतीं, और हर दिन उनके लिए भोजन बनाकर तुलसी तले रखतीं—मानो प्रार्थना करतीं कि एक दिन भाई जरूर आएँगे।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

एक दिन यमराज अचानक यमुनाजी के द्वार पर पहुँचे। यमुनाजी की आँखें भर आईं। उन्होंने श्रद्धा से भाई का स्वागत किया, आरती उतारी, और अपने हाथों से भोजन परोसा। भोजन के बाद यमुनाजी ने रेशम के शुभ्र धागों से बनी एक पवित्र राखी यमराज के हाथ में बाँधी।

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"यह डोर सिर्फ रक्षा की नहीं," यमुनाजी बोलीं, "यह प्रार्थना है कि हमारा बंधन जीवन-मरण से ऊपर हो।"

यमराज भावविभोर हो उठे। उन्होंने यमुनाजी को वचन दिया:

www.gyaangoshthi.com

GYAAN GOSHTHI
CURIOSITY TO CLARITY

"जो भी बहन राखी के दिन अपने भाई को प्रेम, श्रद्धा और सच्चे मन से राखी बाँधेगी, उस भाई को मेरी कृपा से लंबा जीवन और सभी संकटों से रक्षा प्राप्त होगी।"

और तभी से, श्रावण पूर्णिमा को रक्षा बंधन का पर्व शुरू हुआ।

www.gyaangoshthi.com